Gwalior Dhwani

Gwalior Diocesan News Bulletin
August 2022 Vol. 3/ Book 8

Feast of St. John Vianney

Born: 1786
Died: August 4, 1859
Canonized: 1925 by Pope Pius XI
Feast Day: August 4
Patron Saint of: parish priests

Hearty Congratulation dear Bishop on your

Third Anniversary of Episcopal Consecration & Installation

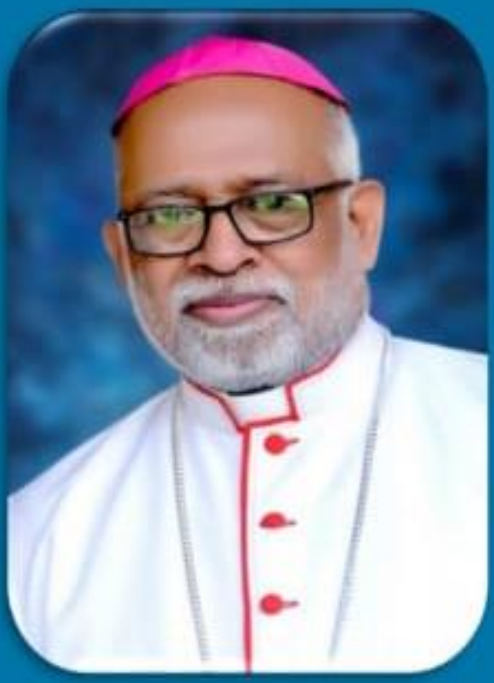

Most. Rev. Joseph Thykkattil.

Gwalior Dhwani
Diocesan News Bulletin

Most Rev Bishop
Joseph Thykkattil
(Patron)

Editorial Board
Rev. Fr. Johnson B. Maria
Rev. Fr. C. Alphonse
Rev. Fr. Isaac Akash
Mrs. Roseline Sikarwar

Address
Karuna Bishop's House,
Jonagar, Kheriya Modi, Morar
Gwalior – 474006

gwaliordhwani@gmail.com

(For private Circulation only)

Celebrations August 2022

01. Fr. Alphonse (F)
Fr. Pratap Toppo (B)
04. Bp. J. Thykkattil (EO)
Fr. Rohit (B & F)
Fr. Johnson B. (F)
Fr. David Pawan (O)
06. Fr. Maria Francis (B)
10. Fr. Lawrence D'Souza (F)
15. Fr. John Xavier (O)
Fr. Dilip Nanda (O)
Fr. Dionysius R.B (O)
21. Fr. Pius (F)

Holy Father's Universal Intention:
For small businesses:

We pray for small and medium sized businesses; in the midst of economic and social crisis, may they find ways to continue operating, and serving their communities.

Editorial

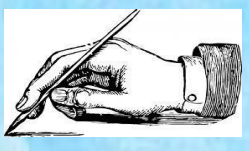

सभी को ईश्वर की कृपा और आशीष! अगस्त का महीना सबसे खूबसूरत महीनों में से एक है क्योंकि इस महीने में न ज़्यादा गर्मी रहती है और न ज़्यादा सर्दी, बल्कि बारिश की फूहारों से मौसम खुशगवार और चारों ओर हरियाली छाई रहती है। जो लोग शहर की ऊँची-ऊँची मीनारों में रहते हैं, उन्हें जरूर बाहर निकलकर कभी-कभी प्रकृति की हरियाली का आनन्द लेना चाहिए।

जुलाई के अन्त में हमने अपने बीच बुजुर्गों का सम्मान ग्रांड पेरेंट्स डे मनाकर किया। दरअसल बुजुर्ग जीवन एक अकूत संपत्ति है। हमारे दादा-दादी या नाना-नानी हैं, उनके पास अनुभवरूपी अपार संपत्ति का खजाना है जिसका हमें भरपूर लाभ उठाना चाहिए। बुजुर्गों का मन भी बच्चों जैसा हो जाता है, शायद इसलिए की वो भी बुढ़ापे में आकर बच्चों के समान अपनी बहुत सी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं। हमें उनकी सेवा करके और उनके साथ समय बिताकर धन्य महसूस करना चाहिए क्योंकि बहुत सारे ऐसे लोग हैं, जिन्हें बुजुर्गों का मार्गदर्शन नहीं मिल पाता क्योंकि उनके घर में कोई बुजुर्ग है ही नहीं। ईश्वर हमारे सभी बड़े-बूढ़े मार्गदर्शकों को सदा सुरक्षित रखे।

4 अगस्त को सन्त योहन मरिया वियांनी का पर्व है। ये बड़े ही अद्‌भुत और प्रेरणादायक सन्त हैं। अपने सरल और प्रार्थनामय जीवन के कारण माता कलिसिया ने इन्हें सभी पुरोहितों के आदर्श व संरक्षक सन्त घोषित किया है। यह दिन सभी पुरोहितों के लिए विशेष प्रार्थना करने का दिन है। इस दिन विशेष रूप से हम हमारे जीवन में आए सभी पुरोहितों के लिए प्रार्थना करें। हमारे जन्म से लेकर हमारे दफन तक एक पुरोहित की अहम भूमिका होती है। अगर पुरोहित ना होते तो हमें प्रभु येशु का शरीर और रक्त नहीं मिल पाता, कई संस्कार नहीं मिल पाते। साथ ही 4 अगस्त हमारे धर्माध्यक्ष अति श्रद्धेय बिशप जोसेफ थाइकट्टईल के लिए विशेष प्रार्थना का दिन है, क्योंकि इसी दिन प्रभु ने उन्हें एक चरवाहे के रूप में नियुक्त किया। हम अपने चरवाहे के लिए भी मंगलकामना और प्रार्थना करें।

अगस्त का सबसे बड़ा त्योहार हमारे लिए और पूरे देश के लिए 15 अगस्त के दिन आता है। इस दिन न केवल हमारे देश को आजादी मिली बल्कि माता मरियम का भी स्वर्ग में उद्ग्रहण का पर्व होता है। स्वर्ग की महारानी माता मरियम न केवल अपने सभी बच्चों के लिए बल्कि पूरे देश के लिए प्रार्थना करती हैं और आशीष बरसाती हैं। माता मरियम ही न केवल सच्ची भारतमाता हैं पूरे संसार की जगतमाता हैं। हम अपने पूरे देश को माता मरियम की ममतामयी छाँव में समर्पित करें। सभी को माता मरियम के पर्व व देश के स्वतंत्रता पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं !

प्रार्थनाओं के साथ,
ग्वालियर ध्वनि की टीम की ओर से
फादर जॉनसन मरिया

Shepherd's Voice

August 01, 2022

Dear Fathers, Sisters and Lay Faithful,
Jai Yeshu!

Congratulations and prayerful wishes to all our priests as we celebrate the feast of St. John Mary Vianney, the Patron Saint of Parish Priests and all diocesan priests on 04th of this month. St John Mary Vianney prayed ceaselessly and made sacrifices for the welfare of the people. He lead a very austere life. His life was centered on Jesus in the Eucharist and oriented his ministry for the upliftment of his parishioners. God endowed him with many divine charisms so hundreds of people flocked to him for confession and counselling. St John Mary Vianney's life, prayer and work gradually transformed the lives of people. They were freed from the clutches of sin and sinful habits and moved to the forgiving unconditional love of God. It was natural that this transformation in the lives of people disturbed devil, he even tried to physically attack Fr John Mary Vianney. "Who can be against us, if God is for us."

Pray for me too on 04th as it is the anniversary day of my Episcopal Consecration and Installation.

The Transfiguration of Jesus was a loving and strengthening gesture of God the Father for Jesus as He was heading towards Jerusalem to be betrayed, flogged and crucified. God the Father gave the foretaste of His Glory to which Jesus will enter after His passion, death and resurrection. This experience strengthened the faith and determination of Jesus to accept the Will of the Father, the cup of suffering and death.

As we celebrate the Assumption of Blessed Virgin Mary on 15th August, we thank God for our Motherland India and her freedom and independence. May through the intercession of Blessed Virgin Mary, we citizens of India be freed from the bondages of superstition, selfishness and move towards peace, non-violence and prosperity.

Let us celebrate in Madhya Pradesh Region Ecology Months from 04th August to 04th October – from the feast of St John Mary Vianney to the feast of St Francis of Assisi. We thank God for the showers we had, no doubt we need more rain in many parts of our region. It is a beautiful and befitting time to plant trees. Let our families, parishes, catechism schools, ICYM, schools, Religious, priests and bishops make special effort to plant more and more trees. Let the face of the earth remain green!

I thank God for blessing all our schools with excellent results. My hearty congratulations to managers, principals, teachers, students, parents and all well-wishers of our schools.

I will be attending a training programme for 'new' bishops ín Rome. Please keep me in your valuable prayers.

May you all receive God's blessings in abundance.
Love and Prayers.

+Joseph Thykkattil

Bishop's Engagements, August 2022

03rd: Vianney School

04th: Clergy Monthly Spiritual Recollection

08th. 09th & 10th: CBMP Meeting

12th: St Mary's, Noida

13th: Diocesan Annual Sports Meet

14th: St Maxmillian Kolbe Parish, Indergarh

15th: - National Flag hoisting

" : - Requiem for Sr Meena CTC

20th: St Pius X School. Sheopur

21st am: St Pius X Parish. Sheopur

21st pm: Apostolic Union of Clergy, Gwalior Deanery

22nd: M C Sisters' Annual Feast

From 26th: Italy

बुज़ुर्गों के प्रति सम्मान का सन्त पापा ने किया आह्वान

जूलयट जेनेवीव क्रिस्टफर-वाटिकन सिटी

कनाडा की "विनाशकारी" आवासीय प्रणाली में मिशनरियों के सहयोग के लिये, काथलिक कलीसिया के परमाध्यक्ष सन्त पापा फ्राँसिस द्वारा, मांगी गई ऐतिहासिक माफ़ी की महागूँज के बीच, मंगलवार को, एडमनटन के कॉमन वेल्थ स्टेडियम में, सन्त पापा फ्राँसिस ने 50,000 श्रद्धालुओं के लिये ख्रीस्तयाग अर्पित किया तथा बुज़ुर्गों के प्रति सम्मान सम्बन्धी देशज लोगों की नेक परम्परा की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

एडमनटन, कनाडा, बुधवार, 27 जुलाई 2022 (रॉयटर, एपी, रेई): कनाडा की "विनाशकारी" आवासीय स्कूल प्रणाली में मिशनरियों के सहयोग के लिये, काथलिक कलीसिया के परमाध्यक्ष सन्त पापा फ्राँसिस द्वारा, मांगी गई ऐतिहासिक माफ़ी की महागूँज के बीच, मंगलवार को, एडमनटन के कॉमन वेल्थ स्टेडियम में, सन्त पापा फ्राँसिस ने 50,000 श्रद्धालुओं के लिये ख्रीस्तयाग अर्पित किया तथा बुज़ुर्गों के प्रति सम्मान सम्बन्धी देशज लोगों की नेक परम्परा की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

वयोवृद्धों के सम्मान का आह्वान

सार्वभौमिक काथलिक कलीसिया के परमधर्मगुरु सन्त पापा फ्राँसिस कनाडा की प्रेरितिक यात्रा पर हैं। कनाडा के देशज एवं मूल निवासियों पर यूरोपीय उपनिवेशवादियों द्वारा ढाई गई सांस्कृतिक हिंसा की याद करना और इसके लिये क्षमा याचना करना इस यात्रा का केन्द्रबिन्दु था। मंगलवार को सन्त पापा फ्राँसिस ने वयोवृद्धों के प्रति सम्मान दर्शाने तथा उनके अनुभवों से सीख लेने की देशज परम्परा की सराहना करते हुए कहा कि बुज़ुर्गों की विरासत को आधुनिक समाज के "भूलने की धुंध" में नहीं खोया जाये।

कनाडा के देशज समुदाय के लिये सन्त पापा फ्राँसिस के उक्त शब्द विशेष रूप से अर्थगर्भित एवं मार्मिक सिद्ध हुए क्योंकि 1870 से 1996 तक चले आवासीय विद्यालयों ने, देशज जनजातियों की संस्कृतियों के लिए अनमोल, पीढ़ियों के बीच संबंधों को नष्ट कर डाला था। ख्रीस्तयाग प्रवचन में सन्त पापा ने उम्मीद की कि इस प्रकार की हिंसा फिर कभी दुहराई न जाये, उन्होंने "एक ऐसे भविष्य की आशा की जिसमें हमारे देशज भाइयों और बहनों द्वारा सही गई हिंसा, उत्पीड़न और हाशिए पर जाने के इतिहास को फिर कभी दुहराया न जाए।"

एडमनटन के कॉमन वेल्थ स्टेडियम में सन्त पापा फ्राँसिस के आगमन पर देशज ढोलों के थपथपाने की लय, जयनारों एवं करतल ध्वनि से सारा वातावरण गूँज उठा। अपनी पापामोबिल गाड़ी पर सवार सन्त पापा ने श्रद्धालुओं को दर्शन दिये तथा कई बार गाड़ी से उतर कर वहाँ उपस्थित नन्हें बच्चों का चुम्बन किया।

कभी न भूलें, लेकिन क्षमा करें

कॉमन वेल्थ स्टेडियम में सन्त पापा फ्राँसिस के पहुँचने से पहले भूतपूर्व फर्स्ट नेशन राष्ट्रीय प्रमुख की सभा के नेता तथा आवासीय स्कूल के उत्तरजीवी फिल फोनटेन ने सोमवार को मास्कवाचिस में सन्त पापा फ्राँसिस द्वारा की गई क्षमा याचना पर चिन्तन किया। उन्होंने कहा, "मेरे दोस्तों, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हम वास्तव में जिस बारे में बात कर रहे हैं वह है क्षमा। क्षमा के बिना हम कभी भी पुनर्मिलन और सुलह तक नहीं पहुंचेंगे।" उन्होंने कहा, "हम कभी नहीं भूलेंगे, हम भूल नहीं सकते किन्तु हमें क्षमा करना चाहिए। काथलिक कलीसिया को हम, हमारे और सभी कनाडाई लोगों के, टूटे हुए संबंधों के पुनर्निर्माण के लिए आमंत्रित करते हैं।"

बड़ों से सीखें अच्छाई, कोमलता, प्रेम

26 जुलाई को माता मरियम की मां सन्त अन्ना के महापर्व के दिन सन्त पापा ने अपने ख्रीस्तयाग प्रवचन को वयोवृद्धों की देखभाल, उनकी सेवा तथा उनके प्रति सम्मान को समर्पित रखा। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने दादा-दादी के ज्ञान और अनुभव को उनके अस्तित्व के लिए मौलिक समझें, और बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए उनके द्वारा सिखाये गये पाठों को संजोएं रखें।

सन्त पापा ने कहा, "अपने दादा-दादी के प्रति हम आभारी रहें, जिनसे हमें इतिहास से एक दुलार मिला है, जिनसे हमने सीखा कि अच्छाई, कोमलता, प्रेम और ज्ञान मानवता की ठोस जड़ें हैं।" उन्होंने कहा कि हम इस तथ्य को कदापि न भूलें कि "हम बच्चे हैं क्योंकि हम किसी के पोते हैं।"

सन्त पापा फ्राँसिस ने हमेशा से ही विश्वास को युवा पीढ़ियों तक हस्तान्तरित करने में दादा-दादियों की भूमिका को सराहा है, और बोयनस आयरस में रहते कई बार अपनी दादी रोज़ा के साथ ख़ुद अपने घनिष्ट सम्बन्धों का भी ज़िक्र किया है। कई मौकों पर उन्होंने दादा-दादी के ज्ञान को संजोने और आज की "अपशिष्ट संस्कृति" के हिस्से के रूप में उनके परित्याग के प्पलोभन से बचने का सन्देश दिया है।

सन्त पापा फ्राँसिस की छः दिवसीय कनाडा यात्रा एडमनटन के अलावा उन्हें केबेक शहर, इकालुइत और नूनावुत भी ले जा रही है। आवासीय स्कूलों में काथलिक कलीसिया के मिशनरियों के सहयोग हेतु क्षमा याचना से पूर्ण इस प्रेरितिक यात्रा को इसीलिये "प्रायश्चित तीर्थयात्रा" निरूपित किया गया है। काथलिक कलीसिया के परमाध्यक्ष की यह यात्रा कनाडा के सत्य और सुलह आयोग की एक प्रमुख सिफारिश को पूरा करती है, जिसने कनाडा की धरती पर सन्त पापा से क्षमा याचना की मांग की थी।

3 जुलाई को टेकनपुर के पल्ली पुरोहित एवं विश्ववासियों ने मिलकर अपने संरक्षक संत थॉमस का पर्व मनाया जिसमें अति श्रद्धेय जोसफ थइकाट्टिल जी ने मिस्सा बलिदान अर्पित किया एवं लोगों को बधाई दी।

Rev Fr. Pratap Toppo taking charge as a new Parish priest and the Pricipal of St. Anthony school, Mohna.

Rev Fr. John Pandiyappallill taking charge as a new Parish Priest of Good Shepherd Church, Maharajpura.

Rev Fr.Joseph Chakkalakkal taking charge as a new Parish priest of St. Peter, the Apostle Church, Dabra.

Holy Cross Ashram school, honoured Mridul Shivahare IAS, an ex student of Holy Cross Ashram school, Datia.

DIACONATE ORDINATION OF BRO.VIJAY PAUL OSB SHIVPURI ON 11/07/2022

5 जुलाई 2022 को सन्त जोसफ सेमिनरी का पाठयक्रम विधिवत अति श्रद्धेय जोसेफ थइकाट्टिल के द्वारा मिस्सा बलिदान के साथ प्रारम्भ किया गया। जिसमें सेमिनरी के पुरोहितगण एवं ब्रदरगण अनुपस्थित रहे।

16 जुलाई को लश्कर स्थित कार्मेल कान्वेंट की धर्म बहनों ने अपनी संरक्षिका संत का पर्व मनाया जिसमें अति श्रद्धेय जोसफ थइकाट्टिल जी ने मिस्सा बलिदान अर्पित किया, जिसमें कई पुरोहितो व धर्म बहनों ने भी भाग लिया।

St. Michael,s School, Bhind

The gate is inaugurated by Most Rev. Joseph Thykkattil on 22 july 2022 in the presence of Most Rev. Joseph Kaithathara.

24 जुलाई 2022 को अति श्रद्धेय जोसफ थइकाट्टिल जी ने, करैरा में लूर्द माता मिशन स्टेशन की शुरुआत की, जिसमें मिशन प्रभारी, श्रद्धेय फादर माईकिल, अन्य पुरोहितगणों के साथ करैरा मिशन के विश्वासीगणों ने भी भाग लिया ।

Breaking The Word of God by Fr. Joseph Chakkalakkal in Dabra, Spiritual Center.

Mr. Abel Extros and Mrs. Perpet are selected as State PMI Executive members by Bro. Sunnylal, the State PMI coordinator. Congratulations and all the best.

24 जुलाई 2022 को हमारे कथीड्रल पल्ली संत योहन बतिस्ता में सभी वयोवृद्धों को सम्मानित कर उनके लिए विशेष प्रार्थना की जिसमें कई पल्लीवासियों ने भी भाग लिया।

18 जुलाई 2022 को CTC धर्म बहनों ने अपना पर्व दिवस मनाया इसमें अति श्रद्धेय जोसफ थइकाट्टिल जी ने मिस्सा बलिदान में सभी सी टी सी धर्म बहनों के लिए प्रार्थना की एवं उन्हें बधाइयां भी दी।

Blessing and Inauguration of Sacred Heart Convent Kheraghat , Karera.

Silver Jubilee celebration of Fr. Dilip Nanda (Principal) and Sr. Jolly Joseph (Vice Principal) at St. Peter's School, Dabra.

Two children received the Sacrament of First Holy Communion, at Vianney Bhavan Purani Chhawani.

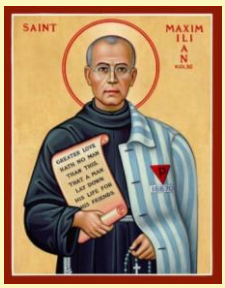

सन्त मैक्सिमिलियन कोल्बे
(पर्व दिवस 14 अगस्त)

"इससे बड़ा किसी का प्रेम नहीं कि अपने कोई मित्र के लिए अपने प्राण अर्पित कर दे।" (योहन 15:13)

प्रभुवर येसु के उपर्युक्त वचन को अपने जीवन में पूर्णतया साकार करते हुए अपने एक साथी कैदी को प्राण-दान दिलाने के लिए अपने जीवन को बलिदान करने वाले महान् पुरोहित थे, सन्त मैक्सिमिलियन कोल्बे ।

सन्त मैक्सिमिलियन का जन्म पोलेंड की राजधानी वारसो के निकट डुसकावेला नामक स्थान में 8 जनवरी 1894 में हुआ। बपतिस्मा में उनको रेमंड नाम दिया गया। उनके माता-पिता निर्धन थे। किन्तु वे बहुत ही भक्त काथलिक थे और जीवन की हर कठिनाई में ईश्वर पर पूर्ण भरोसा रखने वाले थे। उनकी भली माँ ने रेमंड के हृदय में ये सब उत्तम गुण भर दिये थे। साथ ही उसने माता मरियम के प्रति बच्चों जैसी भक्ति भी उसे भली प्रकार सिखा दी थी। अपने माता-पिता के त्यागपूर्ण जीवन से प्रेरणा पाकर रेमंड सोलह वर्ष की अवस्था में सन्त फ्रान्सिस के धर्मसंघ में भरती हुए ताकि ईश्वर के महान् प्रेम का अनुभव सभी लोगों को कराने के लिए कार्य कर सकें। धार्मिक जीवन में उन्होंने मैक्सिमिलियन नाम लिया। प्रारम्भ में उन्होंने मठ में ही रह कर अध्ययन किया। उसके बाद वे रोम गये और वहाँ उन्होंने दर्शनशास्त्र एवं ईशशास्त्र का गहरा अध्ययन किया। तब वहीं सन् 1918 में उनका पुरोहिताभिषेक हुआ। उनके हृदय में माता मरियम के प्रति पुत्र तुल्य प्रेम उमड़ रहा था। अतः उन्होंने इस स्वर्गीय माँ की भक्ति विश्वासियों के बीच फैलाने के लिए 'निष्कलंका की सेना' नाम से एक मरियम संगत की स्थापना की।

प्रभे ने कहा-"जब तक गेहूँ का दाना धरती में गिर कर मरता नहीं, तब तक वह अकेला रहता है। किन्तु जब वह मर जाता है, तब वह बहुत फल लाता है।" इसी प्रकार सन्त पुरोहित कोल्बे ने अपने निःस्वार्थ प्रेम और सेवामय जीवन के द्वारा प्रभु के इस वचन को अपने जीवन में चरितार्थ किया और अपने जीवन-बलिदान के द्वारा हजारों को ईश्वरीय जीवन की कृपा दिला कर प्रभु के लिए बहुत फल लाये ।

सन् 1971 में सन्त पिता पॉल छठे द्वारा फादर कोल्बे को धन्य घोषित किया गया और 10 अक्टूबर 1982 को सन्त पिता जॉन पॉल द्वितीय ने उन्हें सन्त की उपाधि से विभूषित किया। प्रति वर्ष 14 अगस्त को कलीसिया में उनका पर्व मनाया जाता है।

हम भी अपने जीवन में सन्त मैक्सिमिलियन के ईश्वर-प्रेम और माँ मरियम की भक्ति से प्रज्वलित हृदय का अनुसरण करें और अपने जीवन को दूसरों के प्रति निःस्वार्थ प्रेम और त्यागपूर्ण सेवा के लिए पूर्णरूप से समर्पित करे

CARITAS GWALIOR

IS A HUMBLE DIOCESAN EFFORT TO RAISE RESOURSES TOWARDS SOCIAL WELFARE ACTIVITIES

Even the poorest of the poor can be a part of this

Remember the needy and contribute to **CARITAS GWALIOR** especially of the times of celebrations: Marriage, Feast, First Holy Communion, Confirmation, Jubilee, Baptism, Success in Exams, Getting a Job, New House, Parish Feast, Pastoral Visitation etc.

July -2022

1. Mr. Vineet S. ..... Rs- 20,000/-
2. Carmel Convent Sr. Sec. School ..... Rs -10,000/-
3. Miss Padma, Vikroli ..... Rs- 500/-
4. Rev. Fr. Simon Lopes, St. Joseph's Church Juhu Rs-5,000/-
5. Provincial Superior, Daughters of the Sacred Heart, Jhansi ..... Rs- 10,000/-
6. Mr. Lazarus Peter, St. John Mary Vianney, Mass Center ..... Rs- 101/-
7. Ms. Anushka, St. John Mary Vianney, Mass Center Rs-150/-
8. Ms. Aastha, St. John Mary Vianney, Mass Center ..... Rs- 150/-
9. Mr. John Crus Toppo & Family, St. John Mary Vianney, Mass Center Rs- 1000/-

Send your valuable contribution to

Account Name: Caritas Gwalior
A/C No.945420110000348
Bank: Bank of India
Morar, Gwalior
IFSC: BKID0009454
MICR: 474013005

Work of three houses for three widows is in progress.

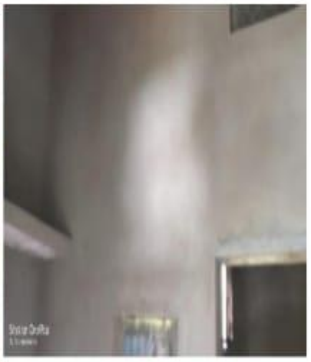

Please WhatsApp a copy of your 'id proof' and amount to the Financial Administrator's contact number:**8462963204** for accounting purpose, thank you

With sincere thanks, Financial Administrator

Holy Mass & Inspirational Talk

GWALIOR YOUTH COMMISSION

SPORTS MEET 2022

12TH AUGUST 2022 - 14TH AUGUST 2022

Registration (Group) - Rs 500/- Each Participant
(Individual) - Rs 300/- Each Participant

Last Date for Registration - 31st July, 2022

FOOTBALL | CRICKET | KHO KHO | DODGE BALL | BADMINTON | 100 M, 200 M RACE | 4X100 M RELAY RACE

Venue - St. Paul's School, Morar

For Any Enquiries, Contact-

Fr. R. Lourdu Nathan (DYD)
+91 73875 39717

"whatever you do, do it all for the glory of God", - 1 Corinthians 10:31

Mass Readings: August 2022

Sunday	Monday	Tuesday	Wednesday	Thursday	Friday	Saturday
	1 ST. ALPHONSUS JER 28: 1-17 MT 14: 13-21	2 ST. EUSEBIUS JER 30: 1-2,15,18 MT 14: 22-36	3 JER 31: 1-7 MT 15: 21-28	4 ST. JOHN VIANNEY JER 31: 31-34 MT 16: 13-23	5 NAH 1: 15; 2: 2 MT 16: 24-28	6 THE TRANSFIGURATIO OF THE LORD DAN 7: 9-10,13 LK 9: 28- 36
7 19TH SUN ORD WIS 18: 6-9 HEB 11: 1-2,8 LK 12: 32-48	8 ST. DOMINIC EZEK 1: 2-5, 24 MT 17: 22-27	9 ST. TERESA EZEK 2: 8- 3:4 MT 18: 1-5,10	10 ST. LAWRENCE 2COR 9: 6-10 JN 12: 24-26	11 ST. CLARE EZEK 12: 1-12 MT 18: 21-19	12 EZEK 16: 59-63 MT 19: 3-12	13 EZEK 18: 1-10,13 MT 19: 13-15
14 20TH SUN ORD JER 38: 4-6, 8-10 HEB 12: 1-4 LK 12: 49-53	15 THE ASSUMPTION OF BVM REV 11: 19 1COR 15: 20-27 LK 1: 39-56	16 ST. STEPHEN EZEK 28: 1-10 MT 19: 3-30	17 EZEK 34: 1-11 MT 20: 1-16	18 EZEK 36: 23-28 MT 22: 1-14	19 EZEK 37: 1- 14 MT 22: 34-40	20 ST. BERNARD EZEK 43: 1-7 MT 23: 1-12
21 21ST SUN ORD IS 66: 18-21 HEB 12: 5-7, 11 LK 13: 22-30	22 IS 9: 2- 7 LK 1: 26-38	23 ST. ROSE OF LIMA 2 THES 2: 1-3 MT 23: 23-26	24 ST. BARTHOLOMEW REV 21: 9B-14 JN 1: 45: 51	25 1COR 1: 1-9 MT 24: 42-51	26 1COR 1: 17: 25 MT 25: 1-13	27 ST. MONICA 1COR 1: 26-31 MT 25: 14-30
28 22ND SUN ORD SIR 3: 17-20 HEB 12: 18, 19 LK 14: 1, 7-14	29 THE PASSION OF JOHN THE BAPTIST JER 1: 17-19 MK 6: 17-29	30 ST. EUPHRASIA GAL 2: 19-20 MT 16: 24-27	31 1 COR 3: 1-9 LK 4: 38- 44			